TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

09 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

कभी हार न मानने की आदत ही आपकी

एक दिन जीत का कारण बनती है।

एलन मस्क

राकेश कुमार

9 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

किस्मत के सहारे चलना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

ऐसे लोगों को बर्बाद होने में वक्त नहीं लगता है।

- आचार्य चाणक्य

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

09 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार 09 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"मनुष्य के लिए जीवन में सफलता का रहस्य हर आने वाले अवसर के लिए तैयार रहना है।"

–डिजरायली

आज के दिन

1431– फ्रांस में 'जॉन ऑफ आर्क' के विरूद्ध मुकदमे की शुरूआत।

1768– फिलिप एस्टले ने पहले 'मार्डन सर्कस' का प्रदर्शन किया।

1816– सर हम्फ्री डेवी ने खदान कर्मियों के लिए पहले 'डेवी सेफ्टी लैम्प' का परीक्षण किया।

1873– नेपोलियन बोनापार्ट तृतीय का निधन

1889– ऐतिहासिक उपन्यासकार और निबन्धकार वृंदालाल वर्मा का जन्म।

1918– रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच 'भालू घाटी का युद्ध' हुआ।

1946– भारतीय संविधान सभा ने संविधान बनाने का कार्य शुरू किया।

1960– मिस्र के नील नदी पर अस्वान बांध का निर्माण प्रारंभ।

1982– पहला भारतीय वैज्ञानिक दल अंटाकर्टिका पहुँचा।

1. **हरगोविन्द खुराना का जन्म–** हरगोविन्द खुराना, वर्ष 1968 का चिकित्सा विज्ञान का नोबल पुरस्कार से सम्मानित भारतीय अमेरिकी वैज्ञानिक का जन्म अविभाजित भारत में मुल्तान जिले (पंजाब) में हुआ था। पंजाब विश्वविद्यालय से सन् 1943 में स्नातक करने के पश्चात् 1945 में रसायन विज्ञान से स्नातकोत्तर की परीक्षा पास की। भारत सरकार से छात्रवृति प्राप्त कर इंग्लैंड गए। सन् 1948 में उन्हें डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई। उन्होंने दिल्ली और बेंगलुरू सहित देश के कई प्रयोगशालाओं में नौकरी के लिए आवेदन दिया किंतु काम न मिला। इससे उन्हें निराशा हुई।

   सन् 1960 में डॉ0 खुराना अमेरिका चले गये। अमेरिका में उन्होंने विस्कॉसिन विश्वविद्यालय के एंजाइम शोध संस्थान के सहायक निदेशक नियुक्त हुए। आगे चलकर ये संस्थान के महानिदेशक भी बने। डॉ0 खुराना ने एंजाइम शोध संस्थान में रहते हुए प्रोटीन संश्लेषण में जेनेटिक कोड की भूमिका पर शोध किया। उनका यह शोध बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ, जिस पर उन्हें वर्ष 1968 का चिकित्सा विज्ञान का नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ। सन् 1969 में डॉ0 खुराना भारत आए। उस समय भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से अलंकृत किया।

   • **बच्चों को क्या बतायें?** हरगोविन्द खुराना की जीवनी के प्रेरक प्रसंग बच्चों को बताएं।

2. **प्रवासी भारतीय दिवस–** लगभग 20 वर्षों के विदेश प्रवास के बाद महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से 9 जनवरी, 1915 ई. को स्वदेश वापस लौटे थे। इस स्मृति में भारत सरकार द्वारा 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। महात्मा गांधी को सबसे बड़ा प्रवासी माना जाता है जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के ऊपर हो रहे नस्लवादी अन्याय, भेदभाव और हीनता को देखकर उन्होने अन्याय के खिलाफ विरोध प्रारम्भ कर दिया। उन दिनों भारत से दक्षिण अफ्रीका पहुँचे मजदूरों और व्यापारियों को मत देने का अधिकार नहीं था तथा उन्हें पंजीकरण कराना होता था। उनको गंदी बस्तियों में रहना होता था जो उनके लिए निर्धारित थी। गांधी जी इन स्थितियों में विरोध में चलने वाले संघर्ष के शीघ्र ही नेता बन गये। प्रत्येक दो वर्ष पर प्रवासी भारतीय दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

   • **सदर्भ: अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 142 के संदर्भ में बच्चों को बताएं।**

3. **सुंदरलाल बहुगुणा का जन्म–** पर्यावरण की सुरक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले सुंदरलाल बहुगुणा का जन्म 9 जनवरी, 1927 को उत्तराखण्ड के टिहरी में हुआ था। उन्होंने लोगों के बीच पर्यावरण सुरक्षा का संदेश फैलाया। चिपको आंदोलन के कारण वे विश्वभर में वृक्षमित्र के नाम से प्रसिद्ध हो गए। भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2009 में पदम विभूषण से सम्मानित किया।

   • **संदर्भ: बच्चों को विज्ञान भाग 3 पाठ 12 के संदर्भ में बतायें।**

4. **वृंदावनलाल वर्मा का जन्म–** वृंदावनलाल वर्मा का जन्म 9 जनवरी 1889ई. को उत्तरप्रदेश के झाँसी जिले के मऊरानीपुर में हुआ था। वे प्रसिद्ध हिन्दी नाटककार तथा उपन्यासकार थे। पौराणिक तथा ऐतिहासिक कथाओं के प्रति बचपन से ही इनकी रुचि थी। इनकी प्रसिद्ध रचनाओं में 'झांसी की रानी' (उपन्यास), 'मृगनयनी' (उपन्यास), मेढ़क का ब्याह (कहानी), पूर्व की ओर (नाटक) आदि प्रमुख है। इनके उत्कृष्ट साहित्यिक कार्य के लिये इन्हें 'साहित्य वाचस्पति' की उपाधि से विभूषित किया गया। भारत सरकार द्वारा इन्हें पद्मभूषण से अलंकृत किया गया। भारत सरकार ने इनके उपन्यास 'झांसी की रानी' को पुरस्कृत भी किया है। इनके सम्मान में भारत सरकार ने दिनांक 9 जनवरी, 1997 को एक डाक टिकट भी जारी किया था। इनके द्वारा लिखित सामाजिक उपन्यास 'संगम' और 'लगान' पर आधारित हिन्दी फिल्में भी बनी है जो अन्य कई भाषाओं में अनुदित हुयी हैं।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 9 जनवरी

मधु प्रिया

प्रवासी भारतीय दिवस 9 जनवरी

Pravasi Bharatiya Divas

प्रवासी भारतीय दिवस भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष **9** जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश वापस आये थे। इस दिवस को मनाने की शुरुवात सन **2003** से हुई थी। प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की संकल्पना स्वर्गीय लक्ष्मीमल सिंघवी के दिमाग की उपज थी। पहला प्रवासी भारतीय दिवस जनवरी **2003** को नयी दिल्ली में आयोजित हुआ"साल **2019** में यह सम्मलेन वाराणसी में आयोजित किया गया था इस सम्मेलन में कई बड़े-बड़े उद्योगपति और कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी बुलाए जाते हैं। इस अवसर पर प्रायः तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसमें अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले भारतवंशियों का सम्मान किया जाता है तथा उन्हे प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किया जाता है। यह आयोजन भारतवंशियों से सम्बन्धित विषयों और उनकी समस्यायों के चर्चा का मंच भी है।इस दिवस को मनाने का उद्देश्य अप्रवासी भारतीयों की भारत के प्रति सोच, उनकी भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ ही उनकी अपने देशवासियों के साथ सकारात्मक बातचीत के लिए एक मंच उपलब्ध कराना।भारतवासियों को अप्रवासी बंधुओं की उपलब्धियों के बारे में बताना तथा अप्रवासियों को देशवासियों की उनसे अपेक्षाओं से अवगत कराना। विश्व के **110** देशों में अप्रवासी भारतीयों का एक नेटवर्क बनाना।भारत का दूसरे देशों से बनने वाले मधुर संबंध में अप्रवासियों की भूमिका के बारे में आम लोगों को बताना। भारत की युवा पीढ़ी को अप्रवासी भाईयों से जोड़ना।

भारतीय श्रमजीवियों को विदेश में किस तरह की कठिनाइयों का सामना करना होता है, के बारे में विचार-विमर्श करना।

जयंती विशेष 09 जनवरी

राकेश कुमार

महान भारतीय वैज्ञानिक,
जिन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरुस्कार
प्रदान किया गया

डॉ. हरगोविंद खुराना जी

की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि

(9 जनवरी 1922 - 9 नवम्बर 2011)

हरगोबिन्द खुराना : *Hargobind Khorana*, जन्म: 9 जनवरी, 1922; मृत्यु: 9 नवंबर, 2011) भारत में जन्मे अमेरिकी जैव रसायनशास्त्री थे। इन्हें 1968 में शरीर विज्ञान या चिकित्सा के क्षेत्र में मार्शल डब्ल्यू. नीरेनबर्ग और रॉबर्ट डब्ल्यू. हॉली के साथ उस अनुसंधान के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। इस अनुसंधान से पता लगाने में मदद मिली कि कोशिका के आनुवंशिक कूट (कोड) को ले जाने वाले न्यूक्लिक अम्ल (एसिड) न्यूक्लिओटाइड्स कैसे कोशिका के प्रोटीन संश्लेषण (सिंथेसिस) को नियंत्रित करते हैं।

दिवस प्रेरणा 9

डॉ0 हरगोविन्द खुराना

(नोबेल पुरस्कार विजेता भारतीय वैज्ञानिक)

पेड़ के नीचे बैठ पढ़ा करते थे ...

संघर्ष

वे जब 12 वर्ष के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया। इससे परिवार का बोझ इनकी माँ पर आ गया। वे विद्यार्थी जीवन से ही प्रतिभावान थे। वे अकसर पढाई में इतने मग्न हो जाते कि भूख–प्यास तक बिसरा देते थे। हरगोबिन्द को बचपन से ही गणित में विशेष रूचि थी। पेड़ों के नीचे बैठ कर अध्ययन किया करते थे। वे खाना बनाते समय माँ के सामने शर्त लगाते कि– 'पहले उनके गणित के सवाल हल होते हैं या फिर माँ की रोटी उतरती है' और इस शर्त में अकसर वे ही सफल होते। वे सभी परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी में उर्तीण हुए। भारत सरकार से छात्रवृति प्राप्त कर इंग्लैंड गए। पढ़ाई पूरी करके अपने भाई के पास आ गये। उन्होंने दिल्ली और बेंगलुरू सहित देश के कई प्रयोगशालाओं में नौकरी के लिए आवेदन दिया किंतु काम न मिला। इससे उन्हें निराशा हुई और वे वापस इंग्लैंड चले गये।

सफलता

डॉ0 खुराना ने एंजाइम शोध संस्थान में रहते हुए प्रोटीन संश्लेषण में जेनेटिक कोड की भूमिका पर शोध किया। उनका यह शोध बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ, जिस पर उन्हें वर्ष 1968 का चिकित्सा विज्ञान का नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ। सन् 1969 में डॉ0 खुराना भारत आए। उस समय भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से अलंकृत किया।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुतिः टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 09.01.2025

तार्किक सोच

तार्किक सोच वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए लगातार तर्क का उपयोग करता है। समानार्थी शब्द तार्किक तर्क, तर्क कौशल और तर्क क्षमता हैं। तार्किक सोच से जुड़ी समस्याओं या स्थितियों में संरचना, तथ्यों के बीच संबंध और तर्क की श्रृंखला की आवश्यकता होती है जो "समझ में आती हो।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

एशिया का सबसे बड़ा चौराहा!

ये कही और नहीं बल्कि हमारे भारत के राजस्थान राज्य के राजधानी में जो गुलाबी नगरी के नाम से मशहूर जयपुर शहर के जवाहर सर्किल ही एशिया का सबसे बड़ा चौराहा है। यह मालीवय नगर में जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थित है।

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी

BGT में घर और बाहर टीमों का प्रदर्शन

—17 सीरीज—

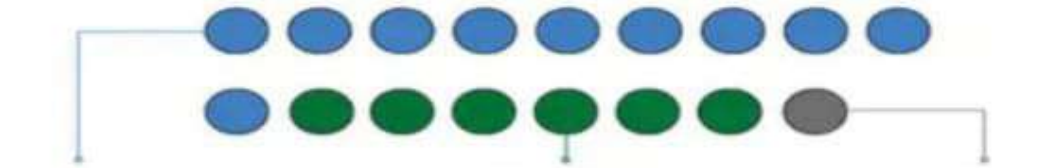

भारतीय मैदानों पर		ऑस्ट्रेलियाई मैदानों पर
09	सीरीज	08
08	भारत जीता	02
01	ऑस्ट्रेलिया जीता	05
00	ड्रॉ	01

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 493

चिपको आंदोलन के प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा को अमेरिका के किस संस्था ने वर्ष 1980 में सम्मानित किया ?

A. फ्रेंड ऑफ अमेरिका

B. सीनियर सिटीजन ग्रुप

C. फ्रेंड ऑफ नेचर

D. प्रोटेक्शन ऑफ नेचर

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

भारत के एक महान
पर्यावरण-चिन्तक एवं
चिपको आन्दोलन के प्रमुख
नेता

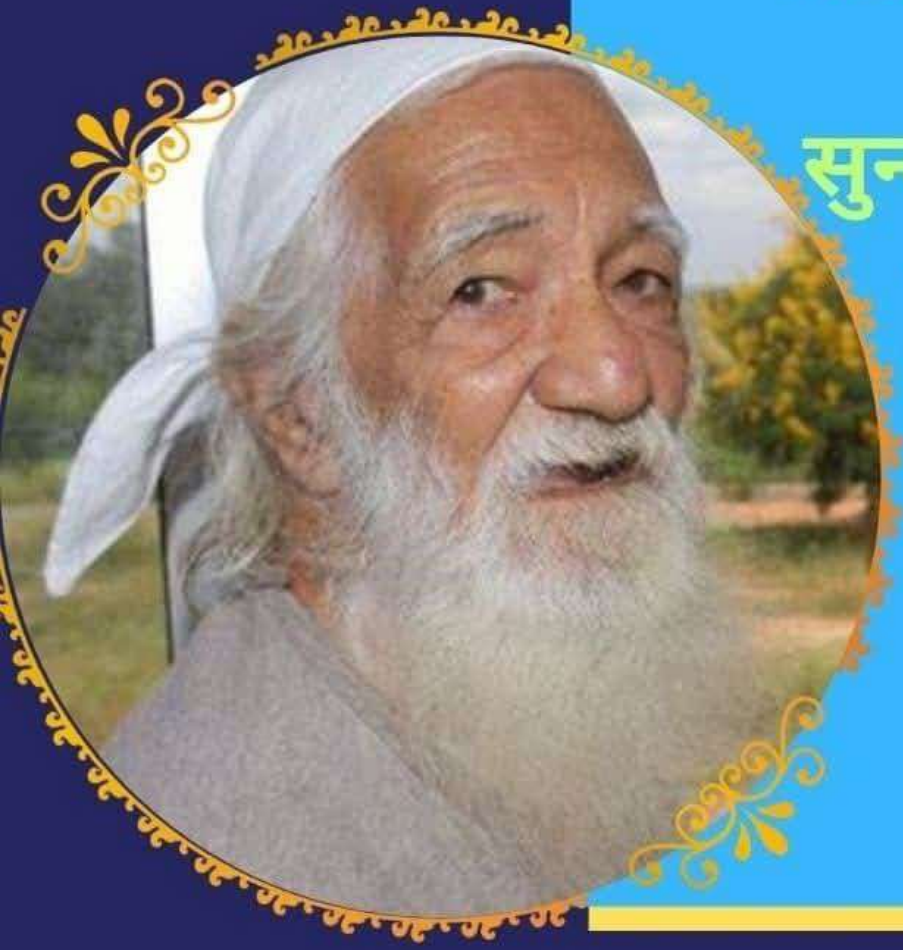

सुन्दरलाल बहुगुणा

की जयंती पर नमन

जन्म-9 जनवरी 1927
मृत्यु-21 मई 2021

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

रामसुन्दर दास

9 जनवरी 1921 – 6 मार्च 2015

Madhu priya

/teachersofbihar

हरगोविन्द खुराना

जन्म 9 जनवरी 1922

मृत्यु 9 नवंबर 2011

Madhu priya

/teachersofbihar

महान वैज्ञानिक

हरगोविंद खुराना

की जयंती पर सादर नमन

9 जनवरी 1922 - 9 नवंबर 2011

Punita Kumari

www.teachersofbihar.org

9 जनवरी

चिपको आंदोलन के प्रणेता

सुंदरलाल बहुगुणा

की जयंती पर उन्हें सादर नमन

9 जनवरी 1927 - 21 मई 2021

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari